

# हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड

पाठ्यक्रम एवं अध्यायवार अंको का विभाजन(2026-27)

कक्षा- 10+2

विषय: ललित कला

कोड:770

सामान्य निर्देश:

1. सम्पूर्ण पाठ्यक्रम के आधार पर एक वार्षिक परीक्षा होगी।
2. वार्षिक परीक्षा 30 अंकों की होगी, प्रायोगिक परीक्षा 50 अंकों की होगी और आंतरिक मूल्यांकन 20 अंकों का होगा।
3. प्रायोगिक परीक्षा के लिए :-
  - i) पोर्टफोलियो – 20 अंक
  - ii) कम्पोजीशन/पेंटिंग/पदार्थ चित्रण – 30 अंक
4. आंतरिक मूल्यांकन के लिए :

निम्नानुसार आवधिक मूल्यांकन होगा :-

  - i) 4 अंकों के लिए – दो SAT परीक्षा आयोजित की जाएगी जिनका अंतिम मूल्यांकन के लिए 06 अंकों का भारांक होगा।
  - ii) 2 अंकों के लिए – एक अर्ध वार्षिक परीक्षा आयोजित की जाएगी जिसका अंतिम आंतरिक मूल्यांकन के लिए 02 अंकों का भारांक होगा।
  - iii) 2 अंकों के लिए – एक प्री-बोर्ड परीक्षा आयोजित की जाएगी जिसका अंतिम आंतरिक मूल्यांकन के लिए 02 अंकों का भारांक होगा।
  - iv) 2 अंकों के लिए – विषय शिक्षक CRP (कक्षा कक्ष की भागीदारी ) लिए मूल्यांकन करेंगे और अधिकतम 02 अंक देंगे।
  - v) 5 अंकों के लिए – छात्रों द्वारा एक परियोजना कार्य किया जाएगा जिसका अंतिम आंतरिक मूल्यांकन के लिए 05 अंकों का भारांक होगा।
  - vi) 5 अंकों के लिए – विद्यार्थी की उपस्थिति के निम्नानुसार 05 अंक प्रदान किए जाएँगे :-

75% से 80% तक – 01 अंक
80% से अधिक से 85% तक – 02 अंक
85% से अधिक से 90% तक – 03 अंक
90% से अधिक से 95% तक – 04 अंक
95% से अधिक से 100% तक – 05 अंक

## पाठ्यक्रम संरचना (2026-27)

कक्षा- 10+2

विषय:ललित कला

कोड:770

इकाई संख्या	अध्याय/इकाई पांडुलिपि चित्रकला परंपरा	अंक
1	इकाई-1 राजस्थानी और मुगल शैली चित्रकला(16 वीं शताब्दी ई0 से 19वीं शताब्दी ई0) 1. राजस्थानी शैली चित्रकला 2. मुगल शैली की लघु चित्रकला	10
2	इकाई-2 दक्कन शैली और पहाड़ी शैली की चित्रकला 1 दक्कन शैली की चित्रकला 2 पहाड़ी शैली की चित्रकला	10
3	इकाई-3 बंगाल स्कूल और सांस्कृतिक राष्ट्रवाद, आधुनिक भारतीय कला, भारत की जीवंत कला परंपराएं 1. बंगाल स्कूल और सांस्कृतिक राष्ट्रवाद 2. आधुनिक भारतीय कला 3. भारत की जीवंत कला परंपराएं	10
कुल योग		30
प्रायोगिक परीक्षा (आन्तरिक)		50
आन्तरिक मूल्यांकन		20
कुल योग		100

## पाण्डुलिपि चित्रकला परंपरा

### इकाई-1

राजस्थानी और मुगल शैली चित्रकला (16 वीं शताब्दी ई0 से 19वीं शताब्दी ई0)

1. राजस्थानी शैली चित्रकला
2. मुगल शैली की लघु चित्रकला

### इकाई-2

दक्कन शैली और पहाड़ी चित्रकला शैली

1. दक्कन शैली की चित्रकला
2. पहाड़ी शैली की चित्रकला

### इकाई-3

बंगाल स्कूल और सांस्कृतिक राष्ट्रवाद, आधुनिक भारतीय कला, भारत की जीवंत कला परंपराएं

- 1 बंगाल स्कूल और सांस्कृतिक राष्ट्रवाद
- 2 आधुनिक भारतीय कला
- 3 भारत की जीवंत कला परंपराएं

नोट:-पाण्डुलिपि चित्रकला परम्परा अध्याय से वार्षिक परीक्षा व अन्य परीक्षाओं में प्रश्न नहीं पूछे जाएंगे।

## मासिक पाठ्यक्रम शिक्षण योजना (2026-27)

कक्षा- 12वीं

विषय: ललित कला

कोड: 770

मास	विषय -वस्तु	शिक्षण कालांश	दोहराई कालांश	प्रयोगात्मक कार्य
अप्रैल	<p>1 (क) पाण्डुलिपि चित्रकला की परंपरा 1 पश्चिम भारतीय चित्रकला शैली क) महावीर का जन्म कल्प सूत्र 15वीं शताब्दी जैन भण्डार राजस्थान। ख) त्रिशला के चौदह स्वपन कल्प सूत्र पश्चिमी भारत ग) कलाकाचार्य कथा 1497 अहमदाबाद घ) इन्द्र द्वारा देव सानो पाड़ो की स्तूति कल्प सूत्र गुजरात लगभग 1475 ड) चौरपंचाशिका गुजरात 15वीं शताब्दी 2 पाल शैली की चित्रकला</p> <p>क) लोकेश्वर अष्टसहशरिका प्रज्ञापारामिता पाल 1050 राष्ट्रीय संग्रहालय, नई दिल्ली</p> <p>1 प्रयोगात्मक कार्य :- कक्षा 11वीं में किए गए अभ्यास के आधार पर दो और तीन वस्तुओं की पृष्ठ भूमि व अग्र भूमि में दो दृष्टियों का एक निश्चित दृष्टिकोण से पैन्सिल व रंगों में प्रकाश और छाया के साथ अध्ययन</p> <p>नोट:- पाण्डुलिपि चित्रकला परम्परा अध्याय से वार्षिक परीक्षा व अन्य परीक्षाओं में प्रश्न नहीं पूछे जाएंगे।</p>	10	2	10
मई	<p>1 (ख) राजस्थानी चित्रकला शैली :- 1. राजस्थानी उपशैली मालवा, मेवाड़, बुंदी, कोटा, बिकानेर, किशनगढ़, जोधपुर, जयपुर, शैली की चित्रकला।</p> <p>2. राजस्थानी शैली की मुख्य विशेषताएं</p> <p>3. निम्नलिखित राजस्थानों चित्रों की प्रशंसा :-</p>	7	2	20

	<table border="1"> <tbody> <tr> <td>शीर्षक</td> <td>चित्रकार</td> <td>उपशैली</td> </tr> <tr> <td>मारू रागिनी</td> <td>शाहिबदीन</td> <td>मेवाड़</td> </tr> <tr> <td>राजा अनिरुद्ध सिंह हाडा</td> <td>तुलची राम</td> <td>बून्दी</td> </tr> <tr> <td>चोगान खेलती राजकुमारियां</td> <td>दाना</td> <td>जोधपुर</td> </tr> <tr> <td>झूले पर कृष्ण एवं उदास राधा</td> <td>नुरुदीन</td> <td>बिकानेर</td> </tr> <tr> <td>चित्रकूट में राम व उनके परिवार का मिलन ।</td> <td>गुमन</td> <td>जयपुर</td> </tr> <tr> <td>बनी ठनी</td> <td>निहालचंद</td> <td>किशनगढ़</td> </tr> </tbody> </table> <p>प्रयोगात्मक कार्य :- पेंटिंग रचना जीवन और प्राकृतिक विषयों पर आधारित पोस्टर रंगों व जल रंगों से ।</p>	शीर्षक	चित्रकार	उपशैली	मारू रागिनी	शाहिबदीन	मेवाड़	राजा अनिरुद्ध सिंह हाडा	तुलची राम	बून्दी	चोगान खेलती राजकुमारियां	दाना	जोधपुर	झूले पर कृष्ण एवं उदास राधा	नुरुदीन	बिकानेर	चित्रकूट में राम व उनके परिवार का मिलन ।	गुमन	जयपुर	बनी ठनी	निहालचंद	किशनगढ़			
शीर्षक	चित्रकार	उपशैली																							
मारू रागिनी	शाहिबदीन	मेवाड़																							
राजा अनिरुद्ध सिंह हाडा	तुलची राम	बून्दी																							
चोगान खेलती राजकुमारियां	दाना	जोधपुर																							
झूले पर कृष्ण एवं उदास राधा	नुरुदीन	बिकानेर																							
चित्रकूट में राम व उनके परिवार का मिलन ।	गुमन	जयपुर																							
बनी ठनी	निहालचंद	किशनगढ़																							
जून	ग्रीष्मकालीन अवकाश (उपरोक्त अध्यायों से संबंधित कोई परियोजना कार्य दिया जाए)																								
जुलाई	<p>1 ग) मुगलकालीन लघु चित्रकला</p> <ol style="list-style-type: none"> <li>उद्गम एवं विकास</li> <li>मुगल शैली की मुख्य विशेषताएं</li> <li>निम्नलिखित मुगल चित्रों का अध्ययन</li> </ol> <table border="1"> <thead> <tr> <th>शीर्षक</th> <th>चित्रकार</th> <th>काल</th> </tr> </thead> <tbody> <tr> <td>गोवर्धन पर्वत को उटाते हुए कृष्ण</td> <td>मिसकीन</td> <td>अकबर</td> </tr> <tr> <td>पक्षी विश्राम पर बांज</td> <td>उस्ताद मंसूर</td> <td>जहाँगीर</td> </tr> <tr> <td>दारा शिकोह की बारात</td> <td>हाजी मादनी</td> <td>शाहजहाँ</td> </tr> </tbody> </table> <p>3. प्रयोगात्मक कार्य दिये हुए विषय व अपने जीवन और परिवेश में</p>	शीर्षक	चित्रकार	काल	गोवर्धन पर्वत को उटाते हुए कृष्ण	मिसकीन	अकबर	पक्षी विश्राम पर बांज	उस्ताद मंसूर	जहाँगीर	दारा शिकोह की बारात	हाजी मादनी	शाहजहाँ	14	4	14									
शीर्षक	चित्रकार	काल																							
गोवर्धन पर्वत को उटाते हुए कृष्ण	मिसकीन	अकबर																							
पक्षी विश्राम पर बांज	उस्ताद मंसूर	जहाँगीर																							
दारा शिकोह की बारात	हाजी मादनी	शाहजहाँ																							

	साधारण स्थितियों पर विभिन्न माध्यमों में स्केचिंग किए हुए चित्रों की तकनीक का अध्ययन												
अगस्त	<p>2 ख.</p> <p>1. दक्कनी चित्रकला शैली (उदगम एवं विकास)</p> <p>2. दक्कन शैली की मुख्य विशेषताएं</p> <p>3. निम्नलिखित दक्कन शैली के चित्रों की प्रशंसा :-</p> <table border="1"> <thead> <tr> <th>शीर्षक</th> <th>चित्रकार</th> <th>उपशैली</th> </tr> </thead> <tbody> <tr> <td>राग हिंडोल की रागिनी पथमासिका</td> <td>अज्ञात</td> <td>बिजापुर</td> </tr> <tr> <td>पोलो खेलते हुए चांद बीबी</td> <td>अज्ञात</td> <td>बिजापुर</td> </tr> </tbody> </table> <p>4. प्रयोगात्मक कार्य ग्राफिक्स के लिए पेपर व कार्ड बोर्ड से स्टेनसील तैयार करना।</p>	शीर्षक	चित्रकार	उपशैली	राग हिंडोल की रागिनी पथमासिका	अज्ञात	बिजापुर	पोलो खेलते हुए चांद बीबी	अज्ञात	बिजापुर	16	4	12
शीर्षक	चित्रकार	उपशैली											
राग हिंडोल की रागिनी पथमासिका	अज्ञात	बिजापुर											
पोलो खेलते हुए चांद बीबी	अज्ञात	बिजापुर											
सितंबर	<p>ख)</p> <p>1. ख) पहाड़ी चित्रकला शैली</p> <p>1. उदगम एवं विकास</p> <p>2. उपशैली :- बसोहली, गुलेर, कांगडा</p> <p>3. पहाड़ी चित्रकला की मुख्य विशेषताएँ निम्नलिखित पहाड़ी चित्रों की प्रशंसा :-</p> <table border="1"> <thead> <tr> <th>शीर्षक</th> <th>चित्रकार</th> <th>उपशैली</th> </tr> </thead> <tbody> <tr> <td>प्रतीक्षारत कृष्ण संशयशील राधा</td> <td>मनकू</td> <td>गुलेर</td> </tr> <tr> <td>नन्द, यशोदा और कृष्ण</td> <td>नैनसुख</td> <td>कांगडा</td> </tr> </tbody> </table>	शीर्षक	चित्रकार	उपशैली	प्रतीक्षारत कृष्ण संशयशील राधा	मनकू	गुलेर	नन्द, यशोदा और कृष्ण	नैनसुख	कांगडा	8	2	8
शीर्षक	चित्रकार	उपशैली											
प्रतीक्षारत कृष्ण संशयशील राधा	मनकू	गुलेर											
नन्द, यशोदा और कृष्ण	नैनसुख	कांगडा											
अक्तूबर	<p>3 क बंगाल स्कूल और सांस्कृतिक राष्ट्रवाद</p> <p>1. कम्पनी चित्रकला</p> <p>2. राजा रवि वर्मा</p> <p>3. बंगाल स्कूल</p> <p>4. बंगाल स्कूल के निम्नलिखित चित्रों का अध्ययन</p> <table border="1"> <thead> <tr> <th>शीर्षक</th> <th>चित्रकार</th> <th>स्कूल</th> </tr> </thead> <tbody> <tr> <td>रास लीला</td> <td>क्षितिंद्रनाथ मजूमदार</td> <td>बंगाल स्कूल</td> </tr> <tr> <td>राधिका</td> <td>अब्दुल रहमान चुगतई</td> <td>बंगाल स्कूल</td> </tr> </tbody> </table>	शीर्षक	चित्रकार	स्कूल	रास लीला	क्षितिंद्रनाथ मजूमदार	बंगाल स्कूल	राधिका	अब्दुल रहमान चुगतई	बंगाल स्कूल	14	4	14
शीर्षक	चित्रकार	स्कूल											
रास लीला	क्षितिंद्रनाथ मजूमदार	बंगाल स्कूल											
राधिका	अब्दुल रहमान चुगतई	बंगाल स्कूल											

	<table border="1"> <tr> <td>जर्नीस एण्ड</td> <td>अवनिन्दर नाथ टैगोर</td> <td>बंगाल स्कूल</td> </tr> <tr> <td>राम वैक्विशिंग द प्राइड ऑफ द ओशन</td> <td>राजा रवि वर्मा</td> <td>राजा रवि वर्मा</td> </tr> <tr> <td>वुमन विद चाइल्ड</td> <td>जामिनी रॉय</td> <td>बंगाल स्कूल</td> </tr> </table> <p>5. प्रयोगात्मक कार्य दो और तीन रंगों में उपयुक्त आधार सामग्री व नारे के साथ दिये गये विषय पर पोस्टर निर्माण करना।</p>	जर्नीस एण्ड	अवनिन्दर नाथ टैगोर	बंगाल स्कूल	राम वैक्विशिंग द प्राइड ऑफ द ओशन	राजा रवि वर्मा	राजा रवि वर्मा	वुमन विद चाइल्ड	जामिनी रॉय	बंगाल स्कूल																																	
जर्नीस एण्ड	अवनिन्दर नाथ टैगोर	बंगाल स्कूल																																									
राम वैक्विशिंग द प्राइड ऑफ द ओशन	राजा रवि वर्मा	राजा रवि वर्मा																																									
वुमन विद चाइल्ड	जामिनी रॉय	बंगाल स्कूल																																									
नवंबर	<p>3- ख आधुनिक भारतीय कला</p> <p>1. आधुनिक भारतीय चित्रकला निम्नलिखित चित्रों की प्रशंसा:-</p> <table border="1"> <thead> <tr> <th>शीर्षक</th> <th>चित्रकार</th> <th>समय</th> </tr> </thead> <tbody> <tr> <td>मदर टेरेसा</td> <td>एम.एफ. हुसैन</td> <td>आधुनिक भारतीय कला</td> </tr> <tr> <td>हल्दी ग्राइंडर</td> <td>अमृता शेरगिल</td> <td>आधुनिक भारतीय कला</td> </tr> <tr> <td>चिल्डन</td> <td>सोमनाथ होर</td> <td>आधुनिक भारतीय कला</td> </tr> <tr> <td>देवी</td> <td>ज्योति भट्ट</td> <td>आधुनिक भारतीय कला</td> </tr> <tr> <td>ऑफ वाल्स</td> <td>अनुपम सूद</td> <td>आधुनिक भारतीय कला</td> </tr> <tr> <td>रूरल साउथ इण्डियन मैन वुमन</td> <td>लक्ष्मा गोड</td> <td>आधुनिक भारतीय कला</td> </tr> <tr> <td></td> <td>मूर्तिकला</td> <td></td> </tr> <tr> <th>शीर्षक</th> <th>मूर्तिकार</th> <th>समय</th> </tr> <tr> <td>ट्राइम्फ ऑफ लेबर</td> <td>देवी प्रसाद राय चौधरी</td> <td>आधुनिक भारतीय कला</td> </tr> <tr> <td>सन्थाल फ़ैमिली</td> <td>राम किंकर बैज</td> <td>आधुनिक भारतीय कला</td> </tr> <tr> <td>क्राइज अनहर्ड</td> <td>अमरनाथ सहगल</td> <td>आधुनिक भारतीय कला</td> </tr> <tr> <td>गणेश</td> <td>पी.वी. जानकीराम</td> <td>आधुनिक भारतीय कला</td> </tr> </tbody> </table> <p>7- प्रयोगात्मक कार्य राऊंड/रिलिफ में मॉडलिंग (क्ले और प्लास्टर ऑफ पेरिस)</p>	शीर्षक	चित्रकार	समय	मदर टेरेसा	एम.एफ. हुसैन	आधुनिक भारतीय कला	हल्दी ग्राइंडर	अमृता शेरगिल	आधुनिक भारतीय कला	चिल्डन	सोमनाथ होर	आधुनिक भारतीय कला	देवी	ज्योति भट्ट	आधुनिक भारतीय कला	ऑफ वाल्स	अनुपम सूद	आधुनिक भारतीय कला	रूरल साउथ इण्डियन मैन वुमन	लक्ष्मा गोड	आधुनिक भारतीय कला		मूर्तिकला		शीर्षक	मूर्तिकार	समय	ट्राइम्फ ऑफ लेबर	देवी प्रसाद राय चौधरी	आधुनिक भारतीय कला	सन्थाल फ़ैमिली	राम किंकर बैज	आधुनिक भारतीय कला	क्राइज अनहर्ड	अमरनाथ सहगल	आधुनिक भारतीय कला	गणेश	पी.वी. जानकीराम	आधुनिक भारतीय कला	16	4	10
शीर्षक	चित्रकार	समय																																									
मदर टेरेसा	एम.एफ. हुसैन	आधुनिक भारतीय कला																																									
हल्दी ग्राइंडर	अमृता शेरगिल	आधुनिक भारतीय कला																																									
चिल्डन	सोमनाथ होर	आधुनिक भारतीय कला																																									
देवी	ज्योति भट्ट	आधुनिक भारतीय कला																																									
ऑफ वाल्स	अनुपम सूद	आधुनिक भारतीय कला																																									
रूरल साउथ इण्डियन मैन वुमन	लक्ष्मा गोड	आधुनिक भारतीय कला																																									
	मूर्तिकला																																										
शीर्षक	मूर्तिकार	समय																																									
ट्राइम्फ ऑफ लेबर	देवी प्रसाद राय चौधरी	आधुनिक भारतीय कला																																									
सन्थाल फ़ैमिली	राम किंकर बैज	आधुनिक भारतीय कला																																									
क्राइज अनहर्ड	अमरनाथ सहगल	आधुनिक भारतीय कला																																									
गणेश	पी.वी. जानकीराम	आधुनिक भारतीय कला																																									

दिसंबर	<p>2. ग भारत की जीवंत कला परंपराएं परंपरागत कला की विशेषताएं और प्रशंसा</p> <ol style="list-style-type: none"> <li>1. गोंड चित्रकला</li> <li>2. पिठोर चित्रकला</li> <li>3. पट चित्रकला</li> <li>4. राजस्थान की फड़ लोकला</li> <li>5. डोंकरा कार्स्टिंग</li> <li>6. मृणमूर्ति</li> </ol> <p>8- प्रयोगात्मक कार्य प्राकृतिक दृश्य, परिदृश्य चित्रण, एकरेलिक पोस्टर, जलरंग व किसी माध्यम में व स्केचिंग का अभ्यास करे।</p>	16	4	10
जनवरी	<p>दोहराई</p> <p>8- प्रयोगात्मक कार्य स्केचिंग का अभ्यास ।</p>	8	2	8
फ़रवरी	<p>दोहराई</p> <p>9- प्रयोगात्मक कार्य आवश्यकता अनुसार अभ्यास</p>	—	—	—
मार्च	<p>वार्षिक परीक्षा</p>	—	—	—

## प्रश्न पत्र प्रारूप (2026-27)

कक्षा- 10+2

विषय: ललित कला

कोड:770

समय: 02:30 घण्टे

प्रश्न का प्रकार	अंक	संख्या	विवरण	कुल अंक
वस्तुनिष्ठ प्रश्न	1	08	02 बहु-विकल्पीय प्रश्न 02 रिक्त स्थान 02 एक शब्दीय प्रश्न 02 अभिकथन तर्क सहित	08
अति लघुत्तरात्मक प्रश्न	2	04	प्रत्येक प्रश्न में आंतरिक विकल्प दिया जाएगा	08
लघुत्तरात्मक प्रश्न	3	03	प्रत्येक प्रश्न में आंतरिक विकल्प दिया जाएगा	09
निबंधात्मक प्रश्न	5	01	प्रत्येक प्रश्न में आंतरिक विकल्प दिया जाएगा	05
कुल		16		30

# **BOARD OF SCHOOL EDUCATION HARYANA**

## **Syllabus and Chapter wise division of Marks (2026-27)**

**Class-10+2**

**Subject:-Fine Arts**

**Code:770**

### **General Instructions:**

1. There will be an Annual Examination based on the entire syllabus.
2. The Annual Examination will be of 30 marks, Practical Examination will be of 50 marks and 20 marks weightage shall be for Internal Assessment.
3. For Practical Examination:
  - I. Portfolio – 20 Marks
  - II. Composition / Painting/Still life – 30 Marks
4. **For Internal Assessment:**

There will be Periodic Assessment that would include:

  - i) For 4 marks- Two SAT exams will be conducted and will have a weightage of 06 marks towards the final Internal Assessment.
  - ii) For 2 marks- One half yearly exam will be conducted and will have a weightage of 02 marks towards the final Internal Assessment.
  - iii) For 2 marks- One pre-board exam will be conducted and will have a weightage of 02 marks towards the final Internal Assessment.
  - iii) For 2 marks- Subject teacher will assess and give maximum 02 marks for CRP (Classroom participation).
  - iv) For 5 marks- A project work to be done by students and will have a weightage of 05 marks towards the final Internal Assessment.
  - v) For 5 marks- Attendance of student will be awarded 05 marks as:

75% to 80% - 01 marks

Above 80% to 85% - 02 marks

Above 85% to 90% - 03 marks

Above 90% to 95% - 04 marks

Above 95% to 100% - 05 marks

## Course Structure (2026-27)

**Class- 10+2**

**Subject:-Fine Arts**

**Code: 770**

Unit No.	Topic/Unit	Marks
	THE MANUSCRIPT PAINTING TRADITION	
1	(I) THE RAJASTHANI SCHOOLS OF PAINTING (II) THE MUGHAL SCHOOL OF MINIATURE PAINTING	10
2	(I) THE DECCANI SCHOOLS OF PAINTING (II) THE PAHARI SCHOOLS OF PAINTING	10
3	(I) THE BENGAL SCHOOL AND CULTURAL NATIONALISM (II) THE MODERN INDIAN ART (III) THE LIVING ART TRADITIONS OF INDIA	10
<b>Total</b>		<b>30</b>
Practical Examination (Internal)		50
Internal Assessment		20
<b>Grand Total</b>		<b>100</b>

## Content

### The Manuscript Painting Tradition

#### UNIT-I

##### Rajasthani and Mughal School Paintings (16<sup>th</sup> Century A.D to 19<sup>th</sup> Century )

1. The Rajasthani Schools of Painting
2. The Mughal School of Miniature Painting.

#### UNIT-II

##### The Deccan School and Pahari School Paintings

1. The Deccani Schools of Painting
2. The Pahari Schools of Painting

#### UNIT-III

##### The Bengal School and Cultural Nationalism, The Modern Indian Art, The Living Art Traditions of India.

(About the beginning to Mid of the 20<sup>th</sup> Century)

1. The Bengal School and Cultural Nationalism.
2. The Modern Indian Art
3. The Living Art Traditions of India.

## Monthwise Syllabus Teaching Plan (2026-27)

Class- 10+2

Subject:-Fine Arts

Code: 770

Month	Subject- content	Teaching Periods	Revision Periods	Practical Work
April	<p>1 (a) The Manuscript Painting Tradition.</p> <p>i) Western Indian School of Painting.</p> <p>a) Birth of Mahavir, Kalpasutras fifteenth century jain Bhandar, Rajasthan</p> <p>b) Trishla's fourteen dreams Kalpasutra Westem India.</p> <p>c) Kalakacharyakatha 1497, Ahmedabad</p> <p>d) Indra praising Devasano Pado Kalpasutra Gujrat about 1475</p> <p>e) Chaurpatichasika Gujrat fifteenth century Gujrat</p> <p>ii) Pala School of Painting.</p> <p>a) Lokeshvar Astasahasrika Prajnaparamita Pala 1050 National Museum New Delhi</p> <p>Practical work 3.Studies on the basis of exercise done in class XI with two or three objects and two draperies for background and foreground exercises in pencil with light and shade and in full colour from a fixed point of view.</p>	10	02	10
May	<p>1 (b) The Rajasthani Schools of Painting.</p> <p>i) Rajasthani Sub School Malwa , Mewar, Bundi, Kota, Bikaner, Kishangarh, Jodhpur, Jaipur, Sub School Paintings</p>	18	2	12

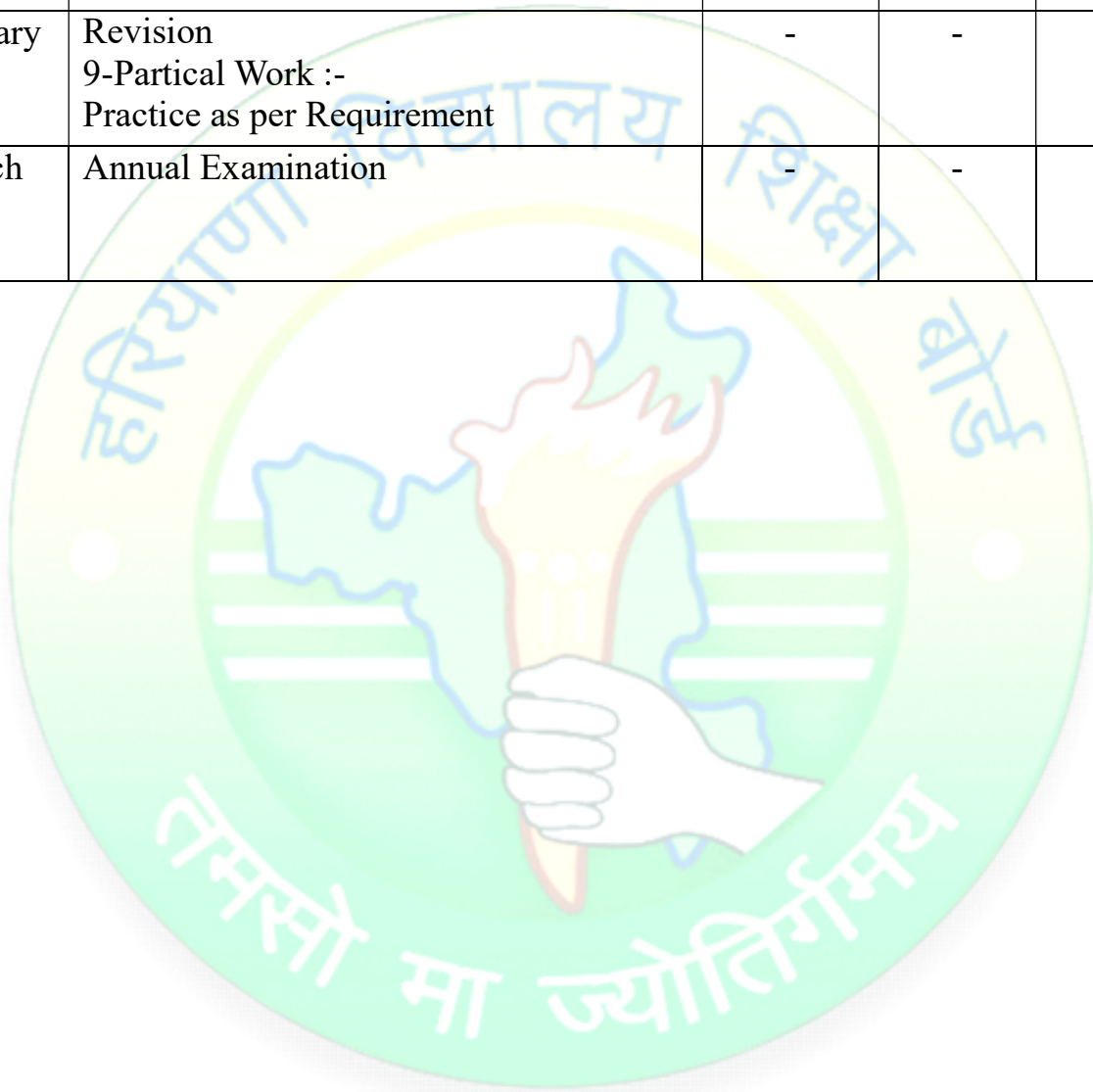
	<p>ii) Main features of Rajasthani School</p> <p>iii) Appreciation of following Rajasthani Painting-</p> <table border="1"> <thead> <tr> <th>Title</th> <th>Painter</th> <th>Sub School</th> </tr> </thead> <tbody> <tr> <td>Maru Ragini</td> <td>Sahibdin</td> <td>Mewar</td> </tr> <tr> <td>Raja Aniruddha Singh Hara</td> <td>Tulchi Ram</td> <td>Bundi</td> </tr> <tr> <td>Chaugan Players</td> <td>Dana</td> <td>Jodhpur</td> </tr> <tr> <td>Krishna Swinging and Radha in Sad Mood</td> <td>Nuruddin</td> <td>Bikaner</td> </tr> <tr> <td>Rama Meets members of his family at Chitrakut</td> <td>Guman</td> <td>Jaipur</td> </tr> <tr> <td>Bani Thani</td> <td>Nihal Chand</td> <td>Kishangarh</td> </tr> </tbody> </table> <p>Practical Work : 2 .Painting composition. Imaginative paintings based on subjects from life and nature with water and poster colours with colour values.</p>	Title	Painter	Sub School	Maru Ragini	Sahibdin	Mewar	Raja Aniruddha Singh Hara	Tulchi Ram	Bundi	Chaugan Players	Dana	Jodhpur	Krishna Swinging and Radha in Sad Mood	Nuruddin	Bikaner	Rama Meets members of his family at Chitrakut	Guman	Jaipur	Bani Thani	Nihal Chand	Kishangarh			
Title	Painter	Sub School																							
Maru Ragini	Sahibdin	Mewar																							
Raja Aniruddha Singh Hara	Tulchi Ram	Bundi																							
Chaugan Players	Dana	Jodhpur																							
Krishna Swinging and Radha in Sad Mood	Nuruddin	Bikaner																							
Rama Meets members of his family at Chitrakut	Guman	Jaipur																							
Bani Thani	Nihal Chand	Kishangarh																							
June	Summer Vacation (Any project work should be given related to above chapters)																								
July	<p>1(c) The Mughal School of Miniature Painting</p> <p>i). Origin and Development.</p> <p>ii).Main features of Mughal School.</p> <p>iii).study of the following Mughal paintings-</p> <table border="1"> <thead> <tr> <th>Title</th> <th>Painter</th> <th>Time Period</th> </tr> </thead> <tbody> <tr> <td>Krishna Lifts Mount Govardhan</td> <td>Miskin</td> <td>Akbar</td> </tr> <tr> <td>Falcon or a Bird Rest</td> <td>Ustad Mansur</td> <td>Jahangir</td> </tr> </tbody> </table>	Title	Painter	Time Period	Krishna Lifts Mount Govardhan	Miskin	Akbar	Falcon or a Bird Rest	Ustad Mansur	Jahangir	14	4	14												
Title	Painter	Time Period																							
Krishna Lifts Mount Govardhan	Miskin	Akbar																							
Falcon or a Bird Rest	Ustad Mansur	Jahangir																							

	<p>The Marriage Procession of Dara Shikoh</p> <p>Haji Madni</p> <p>Shahjahan</p>												
	<p>Practical Work</p> <p>3.Study of techniques of illustration on a given subject and simple situations from life and outdoor sketching in different medium.</p>												
August	<p>2(a)</p> <p>i) The Deccani School of Painting</p> <p>ii) Origin and Development).</p> <p>iii) Main features of Deccan School.</p> <p>iv) Appreciation of following Deccan Paintings-</p> <table border="1"> <thead> <tr> <th>Title</th> <th>Painter</th> <th>Time Period</th> </tr> </thead> <tbody> <tr> <td>Raginio Pathamsika of Raga Hindola</td> <td>Unknown</td> <td>Bijapur School of Painting</td> </tr> <tr> <td>Chand Bibi Playing Polo</td> <td>Unknown</td> <td>Bijapur School of Painting</td> </tr> </tbody> </table> <p>Practical Work :-</p> <p>4.Stencils making with the paper and cardboard for graphics.</p>	Title	Painter	Time Period	Raginio Pathamsika of Raga Hindola	Unknown	Bijapur School of Painting	Chand Bibi Playing Polo	Unknown	Bijapur School of Painting	16	4	12
Title	Painter	Time Period											
Raginio Pathamsika of Raga Hindola	Unknown	Bijapur School of Painting											
Chand Bibi Playing Polo	Unknown	Bijapur School of Painting											
September	<p>2 (b). The Pahari Schools of Painting</p> <p>i) Origin and Development</p> <p>ii) Sub School Basohli, Guler, Kangra,</p> <p>iii) Main Future of the Pahari School</p> <p>iv) Appreciation of the following Pahari Painting.</p>	8	2	8									

	Title	Painter	Sub School																				
	Awating Krishna and the Hesitant Radha	Mana ku	Guler																				
	Nanda  Yashoda and Krishna	Unkn own	Kangra																				
<b>Half – Yearly Exam</b>																							
October	3. (a) The Bangal School and Cultural Nationalism i) Company Painting ii) Raja Ravi Verma iv) The Bangal school v) Study the following paintings of Bengal School-			14	4	14																	
	<table border="1"> <thead> <tr> <th>Title</th> <th>Painting</th> <th>School</th> </tr> </thead> <tbody> <tr> <td>Rasa Lila</td> <td>Kshitind ranath Majumd ar</td> <td>Bengal school of Painting</td> </tr> <tr> <td>Radhika</td> <td>Abdul Rehman Chughta i</td> <td>Bengal School of Painting</td> </tr> <tr> <td>Journey’ s End</td> <td>Abanind ranath Tagore</td> <td>Bengal School Painting</td> </tr> <tr> <td>Rama Vanquis hing the Pride of the ocean</td> <td>Raja Ravi Verma</td> <td>Raja Ravi Verma</td> </tr> <tr> <td>Woman with child</td> <td>Jamini Roy</td> <td>Bengal school of Painting</td> </tr> </tbody> </table>	Title	Painting	School	Rasa Lila	Kshitind ranath Majumd ar	Bengal school of Painting	Radhika	Abdul Rehman Chughta i	Bengal School of Painting	Journey’ s End	Abanind ranath Tagore	Bengal School Painting	Rama Vanquis hing the Pride of the ocean	Raja Ravi Verma	Raja Ravi Verma	Woman with child	Jamini Roy	Bengal school of Painting				
Title	Painting	School																					
Rasa Lila	Kshitind ranath Majumd ar	Bengal school of Painting																					
Radhika	Abdul Rehman Chughta i	Bengal School of Painting																					
Journey’ s End	Abanind ranath Tagore	Bengal School Painting																					
Rama Vanquis hing the Pride of the ocean	Raja Ravi Verma	Raja Ravi Verma																					
Woman with child	Jamini Roy	Bengal school of Painting																					
	<b>Practical Work</b> Making Posters with specified data and slogan on a given subject in two or three colours																						

November	<p>3 (b) The Modern Indian Art</p> <p>i) Appreciation the following paintings of Contemporary (Modern) Indian Art-</p> <table border="1"> <thead> <tr> <th>Title</th> <th>Painter</th> <th>Time</th> </tr> </thead> <tbody> <tr> <td>Mother Teresa</td> <td>M.F. Husain</td> <td>Modern Indian Art</td> </tr> <tr> <td>Haldi Grinder</td> <td>Amrita Sher Gil</td> <td>Modern Indian Art</td> </tr> <tr> <td>Children</td> <td>Somnath Hore</td> <td>Modern Indian Art</td> </tr> <tr> <td>Devi</td> <td>Jyoti Bhatt</td> <td>Modern Indian Art</td> </tr> <tr> <td>Of walls</td> <td>Anupam Sud</td> <td>Modern Indian Art</td> </tr> <tr> <td>Rural South Indian Man-Woman</td> <td>Laxma Goud</td> <td>Modern Indian Art</td> </tr> <tr> <td></td> <td>Sculpture</td> <td></td> </tr> <tr> <td>Triumph of Labour</td> <td>Debi Prasad Roy Chowdhury</td> <td>Modern Indian Art</td> </tr> <tr> <td>Santhal Family</td> <td>Ram Kinker Baij</td> <td>Modern Indian Art</td> </tr> <tr> <td>Cries Unheard</td> <td>Amarnath Sehgal</td> <td>Modern Indian Art</td> </tr> <tr> <td>Ganesha</td> <td>P.V. Janaki Ram</td> <td>Modern Indian Art</td> </tr> </tbody> </table> <p><b>6- Practical Work</b> Modelling in round/relief (Clay or Plaster of Paris)</p>	Title	Painter	Time	Mother Teresa	M.F. Husain	Modern Indian Art	Haldi Grinder	Amrita Sher Gil	Modern Indian Art	Children	Somnath Hore	Modern Indian Art	Devi	Jyoti Bhatt	Modern Indian Art	Of walls	Anupam Sud	Modern Indian Art	Rural South Indian Man-Woman	Laxma Goud	Modern Indian Art		Sculpture		Triumph of Labour	Debi Prasad Roy Chowdhury	Modern Indian Art	Santhal Family	Ram Kinker Baij	Modern Indian Art	Cries Unheard	Amarnath Sehgal	Modern Indian Art	Ganesha	P.V. Janaki Ram	Modern Indian Art	16	4	10
Title	Painter	Time																																						
Mother Teresa	M.F. Husain	Modern Indian Art																																						
Haldi Grinder	Amrita Sher Gil	Modern Indian Art																																						
Children	Somnath Hore	Modern Indian Art																																						
Devi	Jyoti Bhatt	Modern Indian Art																																						
Of walls	Anupam Sud	Modern Indian Art																																						
Rural South Indian Man-Woman	Laxma Goud	Modern Indian Art																																						
	Sculpture																																							
Triumph of Labour	Debi Prasad Roy Chowdhury	Modern Indian Art																																						
Santhal Family	Ram Kinker Baij	Modern Indian Art																																						
Cries Unheard	Amarnath Sehgal	Modern Indian Art																																						
Ganesha	P.V. Janaki Ram	Modern Indian Art																																						
December	<p>3 (c).The Living Art Traditions of India. The Main Features and Appreciation of following Traditions Art -</p> <p>i) Gond Painting</p> <p>ii) Pithoro Painting</p> <p>iii) Pata Painting</p> <p>iv) Phads of Rajasthan Painting</p> <p>v) Dhokra Casting</p> <p>vi) Terracotta</p>	16	4	10																																				

	<b>7- Practical Work</b> Natural scene, Landscape with Acrylic, poster, water any medium and practice of sketching.			
January	Revision 8- Pratical Work :- Pratice of Sketching	8	2	8
February	Revision 9-Partical Work :- Practice as per Requirement	-	-	-
March	Annual Examination	-	-	-



## Question Paper Design (2026-27)

**Class- 10+2**

**Subject:-Fine Arts**

**Code: 770**

**Time: 02:30 hrs**

Type of Question	Marks	Number	Description	Total Marks
Multiple Choice Question (MCQ)	1	8	02 Multiple Choice Questions 02 Fill in Blanks 02 One Word Questions 02 Assertion-Reason Based Questions	08
Very Short Answer Type Question (SA)	2	4	Internal choice will be given in every question	08
Short Answer Type Question (SA)	3	3	Internal choice will be given in every question	09
Essay type Question	5	1	Internal choice will be given in every question	05
<b>Total Question</b>	-	<b>16</b>	<b>Total Marks</b>	<b>30</b>